www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 80 | जौनपुर, गुरूवार, 05 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश से बाहर ट्रायल भेजने की याचिका खारिज की

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। पांच नवंबर उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तिरुपति के लड्डुओं में मिलावटी घी के इस्तेमाल के मामले की सुनवाई आंध्र प्रदेश से बाहर स्थानांतरित करने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले के आरोपी महाराष्ट्र के डेयरी उद्योग के कारोबारी और मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मच्छिंद्र शांताराम लंके की ओर से दायर याचिका खारिज कर दी। लंके की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने दलील दी कि नेता मामले को लेकर लगातार बयान दे रहे हैं, जिससे निष्पक्ष सुनवाई के लिए प्रतिकूल माहौल बन गया है। दवे ने कहा, ''यह एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। राज्य में प्रतिकूल माहौल है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री लगातार इस मामले को लेकर बयान दे रहे हैं।'' दवे ने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट में घी में पशु चर्बी की मौजूदगी से इनकार किए जाने के बावजूद नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्होंने दलील दी, ''निष्पक्ष और स्वतंत्र सुनवाई के लिए इस मामले को पड़ोसी राज्य में स्थानांतरित कर दिया जाए। अधिकांश आरोपी उत्तर भारत के हैं। भाषा की बाधा भी है।

रोहित पवार ने सरकार पर लगाया जनादेश की अनदेखी का आरोप

पुणे, (एजेंसी)। पांच नवंबर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने बृहस्पतिवार को ''लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों'' से अपील की कि वे कोल्हापुर की गोकुल डेयरी के अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान वहां घेराव करें। पवार ने यह अपील डेयरी के अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान निदेशक मंडल में सरकार द्वारा नामित सदस्यों की नियुक्ति को लेकर जारी विवाद के बीच जनता के जनादेश की ताकत दिखाने के लिए की है। पवार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आरोप लगाया कि सरकार की ओर से नामित सदस्यों की नियुक्ति का कदम गोकुल डेयरी पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश है जबकि कांग्रेस नेता के समर्थन वाले पैनल को 5.5 लाख मतदाताओं का समर्थन मिला था। इस सहकारी संस्था के अध्यक्ष पद का चुनाव 10 नवंबर को होना है। महाराष्ट्र कैबिनेट ने बुधवार को उन सहकारी संस्थाओं की प्रबंध समितियों में सरकार द्वारा नामित पांच सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी, जिनका सालाना टर्नओवर 500 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें जिला केंद्रीय सहकारी बैंक शामिल नहीं हैं। इनमें से चार सदस्यों को निदेशक मंडल में मतदान का अधिकार होगा। कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ को 'गोकुल डेयरी' के नाम से जाना जाता है।

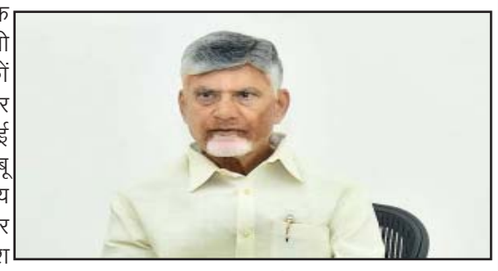
मेट्रो विस्तार ने बदली शहरी भारत की तस्वीर, 2014 में 5 शहरों से बढ़कर 26 शहरों तक पहुंचा नेटवर्क - पीएम मोदी



नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को शहरी भारत के परिवहन ढांचे में हुए अभूतपूर्व बदलाव पर प्रकाश डाला। एक्स पर साझा किए गए अपने पोस्ट में उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में देश में महज पांच शहरों में कुल 248 किलोमीटर लंबा मेट्रो नेटवर्क था। आज यह आंकड़ा लगभग 1,200 किलोमीटर तक पहुंच चुका है और 26 शहरों को जोड़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर मेट्रो विस्तार की रफ्तार 2014 से पहले जैसी ही रहती, तो पुणे जैसे शहरों को मेट्रो सेवा के लिए सालों नहीं बल्कि दशकों तक इंतजार करना पड़ता। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह स्थिति स्वीकार्य नहीं थी, इसलिए शहरी परिवहन के विस्तार को नई गति दी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्रो के प्रभाव को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं बताया। उन्होंने लिखा, "मैं आपसे पूछता हूं अगर भारत का मेट्रो नेटवर्क 2014 से पहले की रफ्तार से बढ़ता रहता, तो पुणे जैसे शहरों में मेट्रो आने में कितना समय लगता? सालों नहीं शायद दशकों। और यह बात बिल्कुल अस्वीकार्य थी। 2014 में, भारत में सिर्फ 5 शहरों में 248 किलोमीटर मेट्रो लाइनें थीं। आज, हमारे पास 26 शहरों में लगभग 1,200 किलोमीटर मेट्रो लाइनें हैं। प्रतिदिन 1 करोड़ से अधिक लोग मेट्रो से यात्रा करते हैं। इसका प्रभाव सिर्फ आंकड़ों या संख्याओं तक सीमित नहीं है। इसका मतलब है ट्रैफिक में कम समय, परिवार के साथ अधिक समय, बेहतर उत्पादकता और बेहतर अवसर। शहरी भारत के लिए हम इसी बदलाव की दिशा में काम कर रहे हैं!" पीएम मोदी ने 2 नवंबर को अपनी एक अन्य पोस्ट में पुणे मेट्रो की नई पिंक लाइन (लाइन–3) का जिक्र करते हुए कहा कि करीब 23 किलोमीटर लंबी यह लाइन हिंजेवाड़ी के आईटी हब को शिवाजीनगर से जोड़ेगी। इससे लाखों यात्रियों को फायदा होगा। इस परियोजना की खास बात यह है कि इसे पूरी तरह महिला ट्रेन ऑपरेटरों द्वारा संचालित किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने चक्रवात प्रभावित जिलों का किया हवाई सर्वेक्षण

आंध्र प्रदेश, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरूवार को चक्रवात 'मुरासु' से प्रभावित गुंटूर, बापटला और प्रकाशम जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को करमचेडु, कोथापटनम, चिराला, चिलकलुरिपेट और पारचुर में जलभराव को दूर करने के लिए तुरंत कदम उठाने का निर्देश दिया। बाद में आरटीजीएस में हुई एक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सड़क यातायात बाधित न हो। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि एलुरु जिले के आदिवासी इलाकों में भारी बारिश जारी है। एलुरु के जिला कलेक्टर ने जानकारी दी कि कुछ क्षेत्रों में छोटे सिंचाई टैंक ओवरफ्लो हो रहे हैं। इससे पहले, चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र सरकार से अपील की थी कि राज्य में भीषण सूखे के कारण हुए कृषि नुकसान और लोगों की परेशानियों को देखते हुए, आंध्र प्रदेश को हर संभव मदद दी जाए। राज्य में सूखे की स्थिति का आकलन करने आई अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) ने बुधवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की। 2 और 3 नवंबर को दो समूहों में कुरनूल, नंद्याल, अनंतपुर और श्री सत्य साईं जिलों का दौरा करने वाली इस टीम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को सूखे के आकलन से जुड़े अपने निष्कर्षों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि जहां तटीय आंध्र प्रदेश चक्रवातों की चुनौतियों का सामना कर रहा है, वहीं रायलसीमा और कई अन्य क्षेत्र कम बारिश और 'अल नीनो' के प्रभाव के कारण भीषण सूखे की चपेट में हैं।



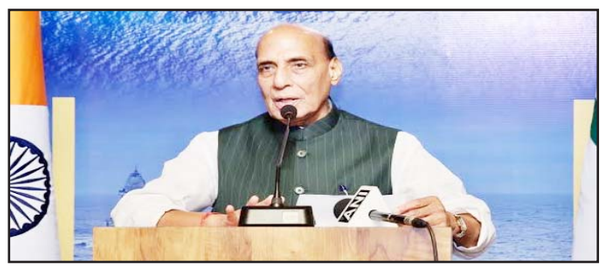
योगी सरकार ने दिया दिवाली का सबसे बड़ा तोहफा, 285 कर्मचारियों की हुई पदोन्नति, परिवारों में जश्न

लखनऊ, (संवाददाता)। दीपावली से ठीक पहले उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राजस्व विभाग के कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश ने विभाग के कुल 285 कर्मचारियों को राजस्व निरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की है। इनमें 206 लेखपाल और 79 संग्रह अमीन शामिल हैं। लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे इन कर्मचारियों के लिए यह खबर किसी दिवाली गिफ्ट से कम नहीं है। राजस्व परिषद के चेयरमैन बीएल मीणा ने इस पदोन्नति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभागीय कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में पात्रता के आधार पर 285 कार्मिकों को उच्च पद का दायित्व सौंपा गया है। इस बार की पदोन्नति सूची में मुख्य रूप से दो वर्ग के कर्मचारी शामिल हैं। 206 लेखपालरू गांव–गांव में जमीन के रिकॉर्ड, खतौनी, वरासत, पैमाइश और राजस्व से जुड़े कामों को संभालने वाले लेखपालों को अब राजस्व निरीक्षक बनाया गया है। 79 संग्रह अमीनरू राजस्व वसूली और अन्य विभागीय कार्यों में लगे संग्रह अमीनों को भी इसी पद पर प्रमोट किया गया है। अब ये सभी 285 कर्मचारी राजस्व निरीक्षक के रूप में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। लेखपाल और संग्रह अमीन राजस्व विभाग की रीढ़ माने जाते हैं। तहसील से लेकर गांव तक जमीन से जुड़े हर विवाद, रिकॉर्ड और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन इन्हीं के माध्यम से होता है।



खुली, समावेशी और नियमों पर आधारित समुद्री व्यवस्था का समर्थन – राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र का भविष्य केवल तकनीक से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि विभिन्न देश उस तकनीक का इस्तेमाल कितनी समझदारी से करते हैं। किस तरह की साझेदारी बनाते हैं और एक–दूसरे के बीच कितना विश्वास कायम करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस सामूहिक प्रयास में योगदान देने के लिए तैयार है। 'इंडो पैसिफिक रीजनल डायलॉग –2026' (आईपीआरडी–2026) के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के लिए महासागर कभी दूर या अनजाने क्षेत्र नहीं रहे हैं। सदियों से भारतीय नाविक इन समुद्री रास्तों से होकर गुजरते रहे हैं। वे अपने साथ केवल सामान ही नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और मानवीय संबंधों को भी लेकर चलते थे। यही प्रमुख कारण है कि भारत ने हमेशा स्वतंत्र, खुले और नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में जिम्मेदारी के साथ योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की समुद्री जिम्मेदारियां उसकी राष्ट्रीय तटरेखा तक सीमित नहीं हैं। भारत लगातार एक खुली, समावेशी और नियमों पर आधारित समुद्री व्यवस्था का समर्थन करता रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज वैश्विक समुद्री सुरक्षा का माहौल जानबूझकर किए जा रहे व्यापारिक व्यवधानों के कारण दबाव में है। समुद्री मार्गों पर आवाजाही की स्वतंत्रता को खुली चुनौती दी जा रही है और संकरे समुद्री रास्तों को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। समुद्री क्षेत्र में बढ़ती यह अस्थिरता व्यापक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन रही है। उन्होंने कहा कि हर व्यवधान का जवाब वैश्वीकरण से पीछे हटकर नहीं दिया जा सकता। न ही उन समुद्री क्षेत्रों को बंद करने की कोशिश होनी चाहिए, जिन्होंने मानव प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारा उद्देश्य आपसी निर्भरता को और सुरक्षित बनाना होना चाहिए। इसके लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना जरूरी है।



हार के बाद रेफरी को चीटर बताना कांग्रेस की आदत - अमित शाह

करनाल, (एजेंसी)। हरियाणा के करनाल में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अपने बचपन का एक किस्सा सुनाकर राहुल गांधी के वोट चोरी और चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों को हार का बहाना बताया।अमित शाह ने कहा कि जब वह 7वीं क्लास में पढ़ते थे, तो उनकी टीम कबड्डी में लगातार चौंपियन बनती थी। उनकी टीम 9वीं क्लास के बड़े खिलाड़ियों को भी हरा देती थी। इससे परेशान होकर 9वीं क्लास के खिलाड़ियों ने एक बैठक की। उन्होंने कहा, ष्9वीं क्लास के खिलाड़ियों ने तय किया कि 7वीं क्लास की टीम को हराना मुश्किल है, तो रेफरी को ही चीटर कह दिया जाए। इससे उनकी जीत पक्की हो जाएगी।ष्शाह ने इसी किस्से को राहुल गांधी से जोड़ते हुए कहा, ष्लगता है राहुल गांधी ने उन छात्रों की तरकीब सुन ली है।ष उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद देश में जहां भी चुनाव हुए, वहां जनता ने कांग्रेस और राहुल गांधी को हराया। इसके बाद राहुल गांधी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने लगे।गृह मंत्री ने कहा कि चुनाव हारने के बाद रेफरी को चीटर बताना अब कांग्रेस की आदत बन गई है। पहले ईवीएम पर सवाल उठाए गए, फिर एसआईआर पर और अब वोट चोरी का आरोप लगाया जा रहा है। शाह ने कहा कि जनता का फैसला स्वीकार करने के बजाय राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।रैली में शाह ने राहुल गांधी को खुली चुनौती भी दी। राहुल गांधी ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। इस पर शाह ने कहा, ष्राहुल जी, मोदी जी से बहस के लिए आपको पत्र लिखने की जरूरत नहीं है। अगर बहस ही करनी है तो संसद में आइए। हम संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार हैं। वहीं हर मुद्दे पर बहस होगी। झूठ फैलाना बंद कीजिए।ष शाह ने कहा कि राहुल गांधी संसद की कार्यवाही बाधित कर बाहर झूठ फैलाते हैं। अगर उनमें हिम्मत है तो संसद में आकर चर्चा करें। बीजेपी हर सवाल का जवाब देने को तैयार है।



उपराष्ट्रपति के हाथों जलेगा राम मंदिर में पहला दीप, 33 लाख दीपों से जगमगाएगी रामनगरी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या का दसवां दीपोत्सव इस बार ऐतिहासिक और यादगार होने जा रहा है। दीपोत्सव–2026 में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शामिल होंगे और राम मंदिर में पहला दीप प्रज्ज्वलित कर भव्य आयोजन का शुभारंभ करेंगे। उनके आगमन के साथ ही अयोध्या एक नया इतिहास रचेगी।उपराष्ट्रपति के रूप में यह उनका पहला अयोध्या दौरा होगा।वह दीपोत्सव में शामिल होने वाले देश के पहले उपराष्ट्रपति होंगे।इस बार रामनगरी को 33 लाख दीपों से रोशन करने की तैयारी है। राम की पैड़ी के 56 घाटों पर 30 लाख दीप सजाए जाएंगे, जबकि शहर के प्रमुख मंदिरों, मठों, कुंडों और सार्वजनिक स्थलों पर तीन लाख अतिरिक्त दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने वाले वह दूसरे भारतीय उपराष्ट्रपति होंगे।उनसे पहले पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रामलला के दर्शन कर चुके हैं। हालांकि,गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव भी रामलला के दर्शन कर चुके हैं।अब तक दीपोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राम मंदिर में पहला दीप जलाकर आयोजन का शुभारंभ करते रहे हैं,लेकिन इस बार उपराष्ट्रपति के हाथों पहला दीप प्रज्ज्वलित कराने की तैयारी है। इसके बाद रामनगरी के घाटों और मंदिरों में दीप जलाने का सिलसिला शुरू होगा।



अवध प्रांत के क्षेत्रीय मंत्री बने नीरज कनौजिया, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

अयोध्या (DKU live ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार के क्रम में अनुसूचित मोर्चा, अवध प्रांत की नई टीम में नीरज कनौजिया को क्षेत्रीय मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति की जानकारी मिलने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह देखा गया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। नीरज कनौजिया को क्षेत्रीय मंत्री बनाए जाने को संगठन में उनकी सक्रियता और कार्य के प्रति समर्पण को मिली जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह दायित्व सौंपकर अनुसूचित मोर्चा के संगठनात्मक कार्यों को गति देने की जिम्मेदारी दी है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि नीरज कनौजिया के अनुभव और सक्रियता से अवध क्षेत्र में अनुसूचित मोर्चा की गतिविधियों को और विस्तार मिलेगा। उनके नेतृत्व में संगठन की नीतियों और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। नवनियुक्त क्षेत्रीय मंत्री नीरज कनौजिया ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और पूरी निष्ठा से दायित्व का निर्वहन करने का संकल्प व्यक्त किया।



नोएडा में वैश्य समाज ने उठाई राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग, 2027 चुनाव में योग्य लोगों को टिकट देने की अपील

ब्यूरो चीफ
सत्य प्रकाश उपाध्याय

नोएडा। आगामी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर वैश्य समाज ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाया है। अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने सभी राजनीतिक दलों से वैश्य समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने और टिकट वितरण में समाज के योग्य एवं कर्मठ लोगों को अवसर देने की अपील की है। विनय अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज व्यापार, उद्योग, रोजगार सृजन, शिक्षा, चिकित्सा और समाजसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। राष्ट्र निर्माण और देश की आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में समाज की अहम भूमिका रही है। ऐसे में समाज को राजनीतिक और नीतिगत निर्णयों में भी उचित भागीदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज में अनेक शिक्षित, योग्य और जनसेवा के प्रति समर्पित लोग हैं, जिन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट देकर जनसेवा का अवसर दिया जाना चाहिए। राजनीतिक दलों को टिकट वितरण के दौरान समाज की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मांग किसी अन्य वर्ग के अधिकारों के विरुद्ध नहीं, बल्कि लोकतंत्र में सभी समाजों को उचित प्रतिनिधित्व देने की भावना से जुड़ी है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन की ओर से सर्ववैश्य समाज को एक मंच पर लाने की पहल भी की गई। वार्ता में वैश्य समाज के विभिन्न घटकों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और राजनीतिक प्रतिनिधित्व सहित समाज से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। बैठक में अग्रवाल वैश्य समाज से मूलचंद गुप्ता, भूपेंद्र मित्तल, नेत्रपाल अग्रवाल, बलराज गोयल, डॉ. विकास बंसल और जितेंद्र अग्रवाल शामिल हुए। जैन वैश्य समाज से डॉ. एस.पी. जैन, खंडेलवाल वैश्य समाज से राकेश खंडेलवाल, माहेश्वरी वैश्य समाज से जी.सी. माहेश्वरी, पोरवाल वैश्य समाज से सुधीर पोरवाल, वार्ष्णेय वैश्य समाज से मुकेश वार्ष्णेय, माथुर वैश्य समाज से संजय गुप्ता, चोसेनी वैश्य समाज से ए. एस. गुप्ता, जायसवाल वैश्य समाज से ललित जायसवाल, केसरवानी वैश्य समाज से अमित केसरी, साहू वैश्य समाज से कृष्णा साहू, रोनियार वैश्य समाज से आई. डी. शाह, बरनवाल वैश्य समाज से शैलेन्द्र बरनवाल, महावरे वैश्य समाज से राकेश गुप्ता, चौरसिया वैश्य समाज से दिनेश्वर चौरसिया और महावर वैश्य समाज से दिनेश महावर उपस्थित रहे। इसके अलावा अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल से राधा कृष्णा गर्ग और उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल से संजय जैन ने भी सहभागिता की। बैठक में पूर्व विधायक विमला बाथम के साथ पवन गोयल, अमित पोरवाल, अर्पित गोयल, धर्मपाल गोयल, नारायण गुप्ता, मुनीश गर्ग, जितेंद्र अग्रवाल, विकास जैन, अजय गर्ग, गौरव सिंघल, विपिन अग्रवाल, मनोज गुप्ता और राम निवास गोयल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने वैश्य समाज की एकजुटता और राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने पर अपने विचार रखे।



संपादकीय

मनमानी के प्रतीक

स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुश्तैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन का विरोध करते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कदम स्थिति को और अधिक बिगाड़ देते हैं। अतरू सरकार को संवाद का रास्ता चुनना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश में सियांग बांध का विरोध तेज होने के साथ ही सरकार ने युवा आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। कम–से–कम 47 लोगों पर मुकदमे दायर किए गए हैं। 26 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें पांच नाबालिग बताए जाते हैं। केंद्र ने रैपिड एक्शन फोर्स की टुकड़ियां वहां भेजी हैं। अशांति की स्थिति में प्रशासनिक कार्रवाई के औचित्य से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन बेहतर यह होगा कि वहां के हालात को सिर्फ कानून–व्यवस्था की समस्या ना मानी जाए। समझा जाता है कि सियांग परियोजना पर अमल में तेजी तिब्बत में चीन के बांध बनाने के निर्णय के मद्देनजर लाई गई है। चीन के बांध से संभावित चुनौती का मुकाबला करने की पूर्व–तैयारी अपने–आप में समस्याग्रस्त सोच नहीं है। लेकिन इस दौरान स्थानीय निवासियों की इस राय को अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सियांग नदी पारंपरिक रूप से उनकी जिंदगी का सहारा रही है। इसलिए उस नदी के बहाव या उसकी प्राकृतिक संचरना में कोई परिवर्तन करने से पहले लोगों की सहमति पाना जरूरी है। वरना, यह परियोजना ऐसे जन असंतोष का कारण बन सकती है, जो चीन से लगे उस सीमाई इलाके में एक स्थायी नासूर बन जाए। मणिपुर गुजरे साढ़े तीन साल से सुलग रहा है। ऐसे में उत्तर–पूर्व के एक और राज्य की आबादी में आक्रोश पैदा करने का जोखिम नहीं उठाया जा सकता। यह समझने की बात है कि जब स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुश्तैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उनके खिलाफ दमनकारी कदमों का इस्तेमाल स्थिति को और अधिक बिगाड़ देता है। अतरू सरकार को तुरंत सभी सख्त कदमों और जबरन फैसले थोपने की प्रवृत्ति पर विराम लगाते हुए व्यापक जन संवाद शुरू करना चाहिए। ग्राम सभाओं, बुद्धिजीवियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और प्रभावित नागरिकों को इस प्रक्रिया में समान भागीदार बनाकर उनकी चिंताओं का पारदर्शी समाधान निकाला जाना चाहिए। उससे विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में स्थानीय आवाम की सहभागिता बनाई जा सकेगी। वरना, उस क्षेत्र के लोग सियांग डैम को सत्तातंत्र की मनमानी के प्रतीक रूप में देखते रहेंगे।

डेमोक्रेट्स की जीत से भारत को फायदा या बड़ा नुकसान

अभिनय

अमेरिका में ट्रंप की सबसे बड़ी हार। वो ट्रंप जो कि मोदी को हराने की उनके राजनीतिक करियर को खत्म करने की बात करते थे। कमला हैरिस ने तंज कसा। भारतीय मूल के



नेताओं ने जमकर अमेरिकी चुनाव में धमाल मचाया है। सोचिए जिस नेता ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराने की बार–बार कोशिश की हो या धमकाया हो। जिस नेता ने चुनावी रैलियों में दावा किया कि अमेरिका की जनता उसके साथ खड़ी है। आज उसी नेता को अपनी ही पार्टी की चुनावी हार पर सफाई देनी पड़ रही है। अमेरिका से मिड टर्म चुनाव के जो शुरुआती नतीजे सामने आने लगे उन्होंने वाइट हाउस से लेकर अमेरिकी संसद तक हलचल मचा दी। ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी पिछड़ती दिखाई दे रही है और डेमोक्रेटिक पार्टी दोनों सदनों में बढ़त बनाती नजर आ रही या यह कह सकते हैं कि ट्रंप की हार हो चुकी है। लेकिन इस पूरी कहानी में सबसे दिलचस्प बात ट्रंप का वो बयान है जिसमें उन्होंने खुद कहा कि अगर मैं खुद चुनाव लड़ रहा होता तो हम भारी बहुमत से जीतते। यानी वह कह रहे हैं कि मैं खुद चुनाव नहीं लड़ रहा था। अब सवाल है कि अगर ट्रंप इतने ही लोकप्रिय हैं तो उनकी पार्टी के उम्मीदवार पीछे क्यों रह गए? क्या अमेरिकी जनता ने ट्रंप की नीतियों को नकारना शुरू कर दिया है? क्या महंगाई और अर्थव्यवस्था के मुद्दे ने राष्ट्रपति की मुश्किलें बढ़ा दी हैं? और क्या अब डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल पर महाभियोग का खतरा मडराने वाला है? अमेरिका के चुनावी नतीजों के पीछे की पूरी राजनैतिक कहानी क्या है और आने वाले दिनों में ट्रंप के सामने कौन–कौन सी बड़ी चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। आज का एमआरआई इसी पर करेंगे। ट्रंप की पार्टी को झटका लेकिन राष्ट्रपति की सफाई पहले से आ गई। अमेरिका में मंगलवार को मिड टर्म चुनाव संपन्न हुए। इन चुनाव में प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 35 सीटों पर मतदान हुआ। इसके अलावा 36 राज्यों में गवर्नर पद के लिए भी चुनाव कराए गए।सीनेट में भी डेमोक्रेट्स की स्थिति बहुत मजबूत दिखाई दी। यानी जिस अमेरिकी संसद में ट्रंप अपनी पार्टी के समर्थन के सहारे बड़े फैसले लेने की उम्मीद कर रहे थे, वहां अब विपक्ष की ताकत बढ़ती हुई नजर आई। और इसी बीच ट्रंप ने ऐसा बयान दिया जिसने इस चुनाव को और ज्यादा दिलचस्प बना दिया। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि वह खुद चुनाव में उम्मीदवार नहीं थे। अगर वह उम्मीदवार होते तो उनकी पार्टी बहुत बड़े अंतर से जीतती। अब जरा इस बयान के राजनीतिक मायने समझिए। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप लगातार रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए वोट मांग रहे थे। वह लोगों से कह रहे थे कि उम्मीदवारों को वोट देते समय उन्हें यानी ट्रंप को ध्यान में रखें। लेकिन जैसे ही नतीजों में पार्टी पिछड़ती दिखाई दी ट्रंप ने सफाई देना शुरू कर दिया कि वह खुद बैलेट पर मौजूद नहीं थे। दूसरी तरफ न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह चुनावी नतीजों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं और डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने की उम्मीद रखते हैं। यानी एक तरफ चुनावी हार की जिम्मेदारी से दूरी बनाने वाला बयान और दूसरी तरफ विपक्ष के साथ काम करने की बात। ट्रंप के सामने पहला और सबसे बड़ा राजनीतिक खतरा महाभियोग यानी इंपीचमेंट हो सकता है। अमेरिका के या अमेरिका में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने की शक्ति प्रतिनिधि सभा के पास होती है। अगर डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल कर लेती है तो उसके पास ट्रंप प्रशासन के फैसलों को और उसकी नीतियों की जांच करने को महाभियोग की प्रक्रिया आगे बढ़ाने को एक अवसर मिल सकता है। और यहां एक दिलचस्प बात है डॉनल्ड ट्रंप अपने पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में भी दो बार महाभियोग का सामना कर चुके हैं। ऐसे में अगर दूसरे कार्यकाल में भी महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होती है तो यह उनके राजनैतिक भविष्य के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। हालांकि महाभियोग प्रस्ताव पास होने का मतलब राष्ट्रपति को तुरंत पद से हटाना नहीं होता। राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए सेनेट में दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। लेकिन महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होना भी किसी राष्ट्रपति के लिए छोटी बात नहीं है। इसका मतलब होगा कि ट्रंप को अपने प्रशासन का बचाव करना पड़ेगा। विपक्ष के सवालों का जवाब देना पड़ेगा और राजनीतिक ऊर्जा का बड़ा हिस्सा इसी लड़ाई में खर्च करना पड़ सकता है। यानी जिस राष्ट्रपति का एजेंडा देश की नीतियों को बदलने का हो उसे अपने कार्यकाल की राजनीतिक बचाव में बिताना पड़ सकता है। अब बात करते हैं उस दूसरे खतरे की। मान लीजिए कि ट्रंप कोई बड़ा कानून बनाना चाहते हैं। टैक्स में कटौती करना है, आवरजन नियमों को सख्त करना है या अर्थव्यवस्था में कोई बड़ा बदलाव लाना है। लेकिन अगर संसद के एक या दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण हो गया तो क्या होगा? ऐसी स्थिति में ट्रंप के लिए अपने एजेंडे को लागू करना काफी मुश्किल होगा। अमेरिका की राजनीतिक व्यवस्था चेक एंड बैलेंस के सिद्धांत पर काम करती है। इसका मतलब है कि राष्ट्रपति के पास असीमित अधिकार नहीं होते। संसद की मंजूरी भी कई बड़े फैसलों के लिए जरूरी होती है। अगर विपक्षी पार्टी संसद में मजबूत हो जाती है तो वह ट्रंप के प्रस्तावित कानूनों को रोक सकती है। उनमें बदलाव की मांग कर सकती है या उन्हें मंजूरी देने में देरी कर सकती है। इसी स्थिति को राजनीतिक भाषा में ग्रिड ललॉक कहा जाता है। यानी सरकार और संसद के बीच ऐसा गतिरोध जिसमें बड़े फैसले आगे नहीं बढ़ पाते और इसका सीधा असर ट्रंप के राजनैतिक एजेंडे पर पड़ सकता है। सीनेट वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, राजदूतों और संघीय न्यायाधीशों (जिनमें सुप्रीम कोर्ट के लिए नामित लोग भी शामिल हैं) की नियुक्ति की पुष्टि करती है। डेमोक्रेट्स के नियंत्रण वाली सीनेट ट्रम्प द्वारा नामित लोगों की पुष्टि में देरी कर सकती है या उन्हें खारिज कर सकती है। इससे ट्रम्प के लिए अहम पदों को भरना और न्यायपालिका को अपनी पसंद के अनुसार ढालना मुश्किल हो जाएगा। ट्रम्प द्वारा पहले सुप्रीम कोर्ट के लिए नामित लोगों को रिपब्लिकन पार्टी (ळव्) के नियंत्रण वाली सीनेट ने मंजूरी दी थी। असल में हाल के सभी सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों की पुष्टि उस सीनेट ने की है, जिस पर उसी पार्टी का नियंत्रण था जिससे राष्ट्रपति जुड़े थे। पिछली बार जब विपक्षी दल के नियंत्रण वाली सीनेट ने किसी उम्मीदवार को मंजूरी दी थी, तो वह 1991 की बात है। अमेरिका में सरकारी खर्च पर कांग्रेस का नियंत्रण होता है। डेमोक्रेट्स, ट्रंप की प्राथमिकताओं के लिए फंडिंग को मंजूरी देने से इनकार कर सकते हैं। इससे बजट को लेकर लंबी बातचीत शुरू हो सकती है ।

ईरान को खत्म करने का प्लान, ट्रंप–नेतन्याहू की सीक्रेट बातचीत से हड़कंप

अभिनय

अमेरिकी मीडिया हस्ती और राजनीतिक टिप्पणीकार टकर कार्लसन ने दावा किया है कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ईरान के खिलाफ परमाणु हमला करने का दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वाशिंगटन कुछ ही दिनों के भीतर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर कोई फैसला ले सकता है। कार्लसन ने एक विस्तृत पोस्ट में लिखा है कि ये हथियार पहाड़ की ग्रेनाइट चट्टानों को भेदकर उन भूमिगत सुरंगों तक पहुंच सकते हैं, जहां कथित तौर पर परमाणु सामग्री को समृद्ध (एनरिच) करने का काम चल रहा है। कार्लसन ने लिखा इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दबाव में ट्रंप प्रशासन कुछ ही दिनों में ईरान पर परमाणु हमला कर सकता है। उन्होंने आगे दावा किया कि नेतन्याहू इस तरह के अभियान के लिए जोर दे रहे हैं। उन्होंने एक अज्ञात सूत्र के हवाले से कहा बीबी (नेतन्याहू) इस बारे में ट्रंप को रोज फोन करते हैं। कार्लसन की पोस्ट में संभावित परमाणु हमले या नेतन्याहू द्वारा डाले जा रहे कथित दबाव के दावों के समर्थन में कोई ऐसा सबूत नहीं दिया गया, जिसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि की जा सके। कार्लसन का दावा है कि नेतन्याहू युद्ध जारी रखना चाहते हैं। कार्लसन ने सैन्य कार्रवाई के कथित जोर को, पिछले हफ्ते इजराइल में हुए चुनावों के बाद नेतन्याहू की राजनीतिक स्थिति से जोड़ा है। उन्होंने दावा किया कि ट्रम्प के सीधे हस्तक्षेप के बिना इजरायली प्रधानमंत्री के लिए सरकार बनाना मुश्किल होगा, और अगर वे सत्ता से बाहर हो जाते हैं, तो उन्हें जांच का सामना करना पड़ सकता है और जेल भी जाना पड़ सकता है। कार्लसन ने लिखा कि नेतन्याहू को ट्रम्प के करीब रहना होगा। उन्हें इस युद्ध की जरूरत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका के कई वरिष्ठ अधिकारी नेतन्याहू के रुख का समर्थन कर रहे हैं और ईरान के साथ बातचीत के जरिए किसी समझौते के खिलाफ हैं। कार्लसन ने अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और सेंटकॉम कमांडर ब्रैड कूपर का नाम लिया, और साथ ही दावा किया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ब्। निदेशक जॉन रैटक्लिफ भी इजरायली प्रधानमंत्री के इशारों पर चल रहे हैं। कार्लसन ने आगे दावा किया कि हाल ही में दोहा में हुई एक बैठक के दौरान, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ईरान के साथ शांति समझौते के मसौदे का विरोध किया था। उन्होंने इस दावे को साबित करने के लिए कोई विवरण या सबूत नहीं दिया। टिप्पणीकार ने यह भी कहा कि 27 सितंबर को नेतन्याहू चुपके से अबू धाबी गए थे, ताकि ईरान के खिलाफ अंतिम सैन्य अभियान के लिए संयुक्त अरब अमीरात का समर्थन हासिल कर सकें, लेकिन ऐसा करने से इनकार कर दिया। कार्लसन ने चेतावनी दी कि तनाव और बढ़ने से खाड़ी क्षेत्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकरों को हुए नुकसान और ऊर्जा तथा उर्वरक बाजारों में आई बाधाओं की ओर इशारा किया। उन्होंने दावा किया कि अक्टूबर में होर्मुज जलडमरूमध्य में, दुनिया भर में तेल ढोने वाले लगभग 850 सुपरटैंकरों में से 11 बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। संभावित परमाणु हमले के परिणामों पर, कार्लसन ने आरोप लगाया कि शिपकएक्स माउंटेनश पर जमीनी विस्फोट से फारस की खाड़ी प्रदूषित हो सकती है और 10 करोड़ लोगों की जलापूर्ति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अमेरिका द्वारा परमाणु हथियारों का इस्तेमाल अन्य देशों के लिए एक मिसाल बन सकता है। कार्लसन ने दावा किया कि रूस ने कम से कम दो सरकारों से कहा है



कि अगर अमेरिका ईरान पर परमाणु हमला करता है, तो उसे यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की छूट मिल जाएगी। उन्होंने उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया से जुड़े संभावित परमाणु तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अमेरिकी प्रशासन ने फरवरी से अपने परमाणु सिद्धांत में चुपचाप बदलाव किया है, ताकि तथाकथित युद्धक्षेत्र वाले परमाणु हथियारोंष्का इस्तेमाल करना आसान हो सके। टकर कार्लसन के ये दावे ऐसे समय में आए हैं जब वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू कराने के लिए कूटनीतिक कोशिशें जारी हैं, हालांकि नए सैन्य हमलों की संभावना पर भी चर्चा हो रही है। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को फोन पर बात की। दोनों के बीच ईरान के साथ चल रही बातचीत की स्थिति और दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करने की संभावना पर चर्चा हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू मंगलवार को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के तुरंत बाद नए हमलों का दबाव बना रहे थे, जबकि राष्ट्रपति ट्रंप बातचीत को और मौका देना चाहते थे। एक इजरायली सूत्र ने इस बातचीत को कड़ा बताया, जबकि एक अमेरिकी सूत्र ने इसे सीधी और स्पष्ट बातचीत कहा। बाद में ट्रंप ने इसे बहुत अच्छी बातचीत बताया और पुष्टि की कि ईरान उन मुद्दों में शामिल था जिन पर बात हुई, हालांकि उन्होंने ज्यादा ब्योरा नहीं दिया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत ठीक चल रही है और उन्हें कोई बहुत जल्दी नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह संकेत भी दिया कि अमेरिका को अभी ईरान के एक–दो परमाणु ठिकानों पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें उन्होंने खास तौर पर पिकेक्स माउंटेन का जिक्र किया। ट्रंप ने कहा हम यह 10 मिनट में कर सकते हैं। हमारे पास इसकी पूरी योजना है। आप पिकेक्स माउंटेन को देख सकते हैं। हमें उससे निपटना होगा और हम इसे बहुत तेजी से कर सकते हैं। इसी बीच, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पिछले हफ्ते ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई को एक पत्र भेजा, जिसमें बातचीत दोबारा शुरू करने की संभावना पर बात की गई थी। कतरी मध्यस्थों ने भी रविवार को लगातार तीसरे दिन ईरानी अधिकारियों के साथ चर्चा की, ताकि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच सीधी बातचीत शुरू कराने के लिए सहमति बन सके। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है और आगे की प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि अमेरिका, तेहरान के सवालों के जवाब कैसे देता है। अराघची ने कहा हम इस दिशा में हर संभव कोशिश कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि दूसरा पक्ष इतनी समझदारी दिखाएगा।

महतारी वंदन से बेटी पढ़ाओ को मिल रहा संबल

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की शुरुआत आधिकारिक रूप से 1 मार्च 2024 को हुई थी और इसका औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा है कि मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी पूरी होने की गारंटी। यह योजना के तहत राज्य की सभी पात्र विवाहित महिलाओं को लाभ प्रदान की जा रही है इसके अलावा विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी इस योजना का लाभ ले रही हैं। छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बेटियों के भविष्य को संवारने का जरिया बन रही है। योजना से मिलने वाली राशि का एक हिस्सा वे सुकन्या समृद्धि खातों में जमा कर रही हैं, ताकि आगे चलकर बेटियों की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए आर्थिक संबल मिल सके। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओच के संकल्प को जमीनी स्तर पर मजबूती दे रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार के लिए केवल एक योजना या कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन की प्रमुख प्राथमिकता है। हमारा विश्वास है कि जब परिवार की महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। बच्चों की शिक्षा और पोषण से लेकर परिवार के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े निर्णयों तक उसकी भागीदारी और मजबूत होती है। इसलिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से सरकार माताओं–बहनों के हाथों में आर्थिक सामर्थ्य देकर उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास दे रही है। दंतेवाड़ा जिले के बोडरी गांव की प्रमिला पोतामी के लिए बेटी की पढ़ाई के लिए बचत करना पहले आसान नहीं था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित मासिक सहायता ने उनके लिए बचत की राह खोली है। प्रमिला कहती हैं, ष्हमारी आमदनी इतनी नहीं है कि कुछ बचाकर रख सकें। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि बड़ी मददगार है। इस राशि का कुछ हिस्सा मैं सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं जो आगे चलकर बेटी की पढ़ाई में काम आएंगे। ष्दक्षिण बस्तर का दंतेवाड़ा लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे क्षेत्र में बेटी की शिक्षा के लिए बचत का यह प्रयास बदलती आकांक्षाओं और बेहतर भविष्य को नई उम्मीद दे रहा है। प्रमिला की तरह कुछ अन्य महिलाएं भी मासिक सहायता का हिस्सा बेटियों के नाम बचत करने में लगा रही हैं। इस योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है, इससे महिलाएं अपनी आय के स्रोत विकसित कर कर अपने परिवार का आर्थिक रूप से सहयोग कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिल रही है, इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने और उन्हें प्राप्त करने में मदद मिल रही है। रायपुर जिले के रावेली गांव की मीना निषाद ने भी अपनी बेटी महिमा के लिए सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है। वह कहती हैं, ष्महतारी वंदन योजना से हर महीने एक हजार रुपये मिलते हैं। मैं यह राशि अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं। मैं चाहती हूं कि आगे चलकर यह बचत उसकी पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों में काम आए ।सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के परीं गांव की अंजू कुशवाहा भी इसी तरह बचत कर रही हैं। वह मासिक सहायता की कुछ राशि बेटी के सुकन्या खाते में जमा करती हैं और शेष रकम घरेलू खर्चों पर लगाती हैं। उनके मुताबिक, नियमित आर्थिक मदद से भविष्य के लिए थोड़ी–बहुत बचत कर पाने का भरोसा बढ़ा है। वहीं, खैरागढ़–छुईखदान–गंडई जिले के बघमरा गांव की दीपाली मरकाम इस राशि का इस्तेमाल बच्चों की स्कूली जरूरतों और बेटी के भविष्य के लिए बचत करने में कर रही हैं। उनका कहना है कि हर माता–पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा हासिल करें और जीवन में आगे बढ़ें, लेकिन सीमित घरेलू संसाधनों के बीच भविष्य के लिए पैसे बचाना आसान नहीं होता। मासिक सहायता से उन्हें बच्चों की पढ़ाई में योगदान देने और बेटी के लिए बचत करने में मदद मिल रही है। 'मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की नारी, शान हैं हमारी..' सुशासन की सरकार महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर माह 1,000 यानी सालाना 12,000 की आर्थिक सहायता देकर प्रदेश की माता–बहनों के सम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान कर रही है।

भारत का उभरता सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र

गोपाल

भारत की सुपरकंप्यूटिंग यात्रा 1990 के दशक की शुरुआत में परम 8000 से विकसित होकर 2015 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत एक राष्ट्रीय परितंत्र में बदल गई है। सितंबर 2026 तक 40 सुपर कंप्यूटरों द्वारा 68 पीएफ (पेटाफ्लॉप्स) यानी काफी तेज गणना देने के साथ, एनएसएम उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) तक अपना विस्तार कर रहा है। मिशन ने कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, मौसम भविष्यवाणी एवं जलवायु मॉडलिंग, आपदा प्रबंधन, बिग डेटा एनालिटिक्स और खगोल भौतिकी में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों को संभव बनाते हुए स्वदेशी सर्वर, सॉफ्टवेयर, कूलिंग और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियां भी विकसित की हैं। फसल पैदावार की भविष्यवाणी करने और बीमारी के प्रकोप पर नजर रखने से लेकर दवा की खोज में तेजी लाने और नदी की बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों की भविष्यवाणी करने तक, उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटिंग सामाजिक अनुप्रयोगों का समर्थन करती है जो रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। वे बड़े पैमाने पर डेटासेट को संसाधित करने में मदद करते हैं और जलवायु, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य देखभाल और इंजीनियरिंग में जटिल सिमुलेशन का समर्थन करते हैं। वे तेजी से विश्लेषण भी संभव करते हैं और शोधकर्ताओं को जटिल वैज्ञानिक चुनौतियों का तेजी से समाधान करने में मदद करते हैं। वैज्ञानिक खोज और तकनीकी नवाचार में तेजी लाने के लिए यह आवश्यक होता जा रहा है। सुपर कंप्यूटर उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग सिस्टम हैं जिन्हें असाधारण गति पर जटिल गणनाओं को संभव बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वे एक साथ कई गणनाएं करने के लिए बड़ी संख्या में प्रोसेसर को जोड़ते हैं। यह शोधकर्ताओं को बड़े पैमाने पर डेटासेट का विश्लेषण करने और परिष्कृत सिमुलेशन को कुशलतापूर्वक चलाने में सक्षम बनाता है। इसलिए सुपर कंप्यूटर उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं। देश का बढ़ता डिजिटल परितंत्र उन्नत कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे की मांग को बढ़ा रहा है। भारत दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डेटा उत्पन्न करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण कंप्यूटिंग क्षमताओं की जरूरत होती है। इसलिए सरकार अनुसंधान संस्थानों में सुपरकंप्यूटिंग तक पहुंच का विस्तार कर रही है। यह प्रयास स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करता है और भारत के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। भारत के उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन का दूसरा संस्करण एस्टिक (ईएसटीआईसी)–2026 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में रचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनानाष विषय के तहत आयोजित किया जाएगा। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से आयोजित ईएसटीआईसी–2026 उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मोर्चे को आगे बढ़ाएगा। इनमें सुपरकंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। यह सम्मेलन रणनीतिक सहयोग को उत्प्रेरित करेगा और देश के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। 12 विषयगत क्षेत्रों में फैले इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, तकनीकी चर्चा और प्रदर्शनियां होंगी। देश की कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने अप्रैल 2015 में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) शुरू किया। इस मिशन को लगभग 4,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था। इस मिशन को संयुक्त रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) संचालित करता है। इस मिशन का उद्देश्य सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता बढ़ाना और देश की उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करना है। इस मिशन में वैज्ञानिक और तकनीकी डोमेन में अनुसंधान, विकास और समस्या–समाधान के लिए सुपरकंप्यूटिंग के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए समाधान के विकास का भी समर्थन करता है। यह मिशन देश में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र स्थापित करना चाहता है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी–डैक), पुणे और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु इस मिशन को आगे बढ़ाते हैं। एनएसएम एक श्बिल्ड दृष्टिकोणश का अनुसरण करता है जिसमें स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे को बनाने के लिए तीन समवर्ती चरण शामिल हैंरू असेंबली, विनिर्माण और डिजाइन एवं विनिर्माण समर्थन। यह दृष्टिकोण स्वदेशी क्षमताओं के विकास के साथ कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार को जोड़ता है। नियमित कंप्यूटरों के विपरीत, सुपर कंप्यूटर को बहुत उच्च गति पर बड़ी मात्रा में डेटा को संसाधित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें कई प्रोसेसर या कंप्यूटिंग नोड्स का उपयोग किया जाता है जो एक साथ काम करते हैं। यह उन्हें पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में जटिल समस्याओं को बहुत तेजी से हल करने में मदद करता है। इन नोड्स के बीच उच्च गति कनेक्शन उन्हें बड़े पैमाने पर गणना के दौरान कुशलता से डेटा का आदान–प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं। ' सुपर कंप्यूटर को कभी–कभी समानांतर कंप्यूटर कहा जाता है क्योंकि सुपरकंप्यूटिंग समानांतर प्रसंस्करण का उपयोग कर सकता है। समानांतर प्रसंस्करण तब होता है जब कई सीपीयू एक निश्चित समय में एक ही गणना को हल करने पर काम करते हैं। ' एक सुपर कंप्यूटर की शक्ति को फ्लॉप्स (फ्लोटिंग पॉइंट ऑपरेशंस प्रति सेकंड – एफएलओपीएस) में मापा जाता है। यह हमें बताता है कि यह एक सेकंड में कितनी गणना कर सकता है। एक टेराफ्लॉप्स (टीएफ) का अर्थ है प्रति सेकंड एक ट्रिलियन गणना, जबकि एक पेटाफ्लॉप्स (पीएफ) का अर्थ है प्रति सेकंड एक क्वाड्रिलियन गणना। दुनिया का सबसे तेज सुपर कंप्यूटर 2026 में लगभग 2.19 एक्साफ्लॉप गणना की क्षमता हासिल करता है। यह प्रति सेकंड लगभग 2.19 क्विंटिलियन गणना कर सकता है। एनएसएम के तहत, भारत ने सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर केंद्रित एक परितंत्र स्थापित किया है। इसमें सुपर कंप्यूटर डिजाइन, विकास, विनिर्माण, सिस्टम सॉफ्टवेयर और विशेष अनुप्रयोग शामिल हैं। यह बढ़ती स्वदेशी क्षमता आयातित प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम कर सकती है। यह देश के घरेलू उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटिंग परितंत्र को भी मजबूत करता है। एनएसएम ने पूरे देश में विभिन्न शैक्षणिकध्अनुसंधान सं

रेड रोज ग्रुप ऑफ स्कूल्स के वार्षिकोत्सव 'स्पंदन' कार्यक्रम का शुभारम्भ



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रेड रोज ग्रुप ऑफ स्कूल्स के वार्षिकोत्सव 'स्पंदन' कार्यक्रम का शुभारम्भ विष्णुलोक शाखा के प्रांगण में किया गया। मुख्य अतिथि विद्यालय के संस्थापक–प्रबन्धक आर.सी. मिश्रा की उपस्थिति में पारम्परिक दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के स्वागत हेतु स्कूल की अध्यक्षा स्मिता मिश्रा, प्रबन्ध निदेशक प्रशान्त कुमार मिश्रा एवं मुख्य शैक्षिक अधिकारी अनुपमा शुक्ला मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विद्यालय की प्रधानाचार्या ने मुख्य अतिथि का कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु आभार व्यक्त किया। उन्होंने संक्षेप में स्कूल की प्रगति पर प्रकाश डाला तथा शिक्षा के प्रचार–प्रसार में स्कूल के संस्थापक–प्रबन्धक आर.सी. मिश्रा के प्रयासों में सभी के सहयोग की अपेक्षा की। प्रधानाचार्या ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि के अलावा अन्य सभी उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने व्यस्ततम समय में से कुछ समय निकालकर अपनी सहृदयता का परिचय दिया है। इसके लिए स्कूल प्रबन्ध मण्डल तथा स्कूल की छात्र–छात्राएँ हृदय से उनके आभारी हैं। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र की समृद्धि व आत्मनिर्भरता के निर्धारण का आधार हैं। इसीलिए उन्हें राष्ट्र का भविष्य कहा जाता है। स्कूल द्वारा वार्षिकोत्सव कार्यक्रमों के आयोजन से बच्चों में अनुशासन, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम भावना व स्पोर्ट्समैनशिप का विकास होता है। साथ ही ऐसे आयोजन स्कूल की प्रगति तथा उसके विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की एक अमिट छाप छोड़ते हैं। मुख्य अतिथि ने स्कूल के संस्थापक–प्रबन्ध निदेशक डॉ. प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने उपस्थित अभिभावकों तथा गणमान्य अतिथियों से अपेक्षा की कि वे छात्र–छात्राओं का भविष्य उज्ज्वल बनाने के प्रति सदैव जागरूक रहें। तदुपरान्त छात्र–छात्राओं द्वारा 'स्पंदन' समारोह का शुभारम्भ मनमोहक रंगारंग कार्यक्रम 'आरम्भ दृ द सीक्रेट बिगिनिंग' द्वारा किया गया। नन्हे–मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत 'रंगीला देश हमारा', तथा वरिष्ठ कक्षाओं के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत 'मणिकर्णिका दृ हर नारी में लक्ष्मीबाई' एवं 'वैशाखों की पंख' कार्यक्रम विशेष सराहनीय एवं मनमोहक रहे। इन कार्यक्रमों ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। सभी सम्मानित अतिथियों एवं मुख्य अतिथि महोदय को धन्यवाद ज्ञापन के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

उत्तर प्रदेश में सवा लाख करोड़ रुपये के विकास कार्य शुरू, तीन लाख करोड़ की परियोजनाएं प्रक्रिया में - नितिन गडकरी

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्ते प्रदेश के जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर के सार्वजनिक इंटर कॉलेज में गुरुवार को दोपहर 12:45 पर पहुंचे। जहां उन्होंने मंच से लोगों का अभिवादन किया। इस मौके पर उन्होंने मंच से बटन दबाकर दो बड़ी परियोजनाओं शिलान्यास जबकि तीन बड़ी परियोजनाओं का भूमि पूजन किया। इस मौके पर मंच से संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने को कहा कि उत्तर प्रदेश में सवा लाख करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य शुरू हो चुके हैं, जबकि करीब तीन लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रक्रिया में हैं। प्रदेश की तस्वीर बदलने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। यहां उद्योग स्थापित हो रहे हैं और कृषि क्षेत्र में भी प्रगति हो रही है। जौनपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि अमेरिका की तरक्की का एक बड़ा कारण वहां की अच्छी सड़कें हैं। सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि इनके निर्माण से उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। जहां विकास होता है, वहीं गरीबी दूर होती है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य उत्तर प्रदेश की सड़कों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाना है। प्रदेश में पांच लाख करोड़ रुपये के सड़क विकास कार्यों का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जौनपुर से मुंगरा बादशाहपुर तक फोरलेन मार्ग की परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि करीब 1400 करोड़ रुपये की इस परियोजना का एलाइनमेंट स्वीकृत हो चुका है। जून तक इसका अवार्ड जारी करने की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इस मार्ग के बनने से जौनपुर से मुंगरा बादशाहपुर की यात्रा में लगने वाला करीब दो घंटे का समय घटकर 50 मिनट से एक घंटे रह जाएगा। उन्होंने जौनपुर क्षेत्र की अन्य सड़क परियोजनाओं को भी जल्द आगे बढ़ाने का भरोसा दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गोरखपुर से सिलीगुड़ी तक करीब 35 हजार करोड़ रुपये की लागत से छह लेन एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। इससे पूर्वांचल और बिहार के बीच संपर्क मजबूत होगा। वाराणसी से अयोध्या और लखनऊ की कनेक्टिविटी बेहतर होने से यात्रा का समय भी कम होगा। वाराणसी से विंध्याचल जाने में लगने वाला करीब साढ़े तीन घंटे का समय घटकर पौने दो घंटे रह जाएगा। जौनपुर, भदोही, अंबेडकर नगर और सुल्तानपुर के श्रद्धालुओं को भी मां विंध्यवासिनी धाम पहुंचने में सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि रायबरेली में करीब 1600 करोड़ रुपये की लागत से रिंग रोड, कानपुर में 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से छह लेन सड़क और बाराबंकी–बहराइच मार्ग सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम चल रहा है। अयोध्या, वाराणसी और सारनाथ को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने की योजनाएं भी बनाई गई हैं। गडकरी ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए एथेनॉल उत्पादन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि टूटे चावल, गन्ने के रस और शीरे से एथेनॉल बनाया जा रहा है। इसी महीने 26 तारीख को टोयोटा की इनोवा का 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाला मॉडल लॉन्च किया जाएगा। बजाज, टीवीएस और हीरो जैसी कंपनियों की मोटरसाइकिलें भी एथेनॉल आधारित ईंधन पर चलने के लिए तैयार की जा रही हैं। इससे किसानों को ऊर्जा उत्पादक बनने का अवसर मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ठेकेदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि घटिया निर्माण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाती है और गुणवत्ता की निगरानी सैटेलाइट के माध्यम से भी की जा रही है। गडकरी ने कहा कि देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना और भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह जब भी विकास कार्यों को लेकर उनके पास आईं, उन्होंने राजनीतिक भेदभाव के बिना नियमानुसार काम कराने का प्रयास किया। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता का आशीर्वाद मिलता रहा तो उत्तर प्रदेश में विकास की गति और तेज होगी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री के मंच पर पहुंचने पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी राज्यमंत्री गिरीशचद यादव वरिष्ठ भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह और अन्य विधायक और जिलाधिकारि सैमुअल पाल एन और पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने बुके और स्मृति चिन्ह देकर कर स्वागत किया ।



नकाबपोश बदमाशों ने ईंट और तमंचे के बट से पीटकर युवक की हत्या, दोस्त के बयान पर उठे सवाल

सगाई समारोह से लौटते समय वारदात का आरोप, परिजनों ने दोस्त की भूमिका पर जताया संदेहय पुलिस जांच में सामने आएगी सच्चाई



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के शाहगंज–बदलापुर मार्ग पर बुधवार रात नकाबपोश बदमाशों ने एक युवक पर ईंट और तमंचे के बट से हमला कर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पहचान 32 वर्षीय नीरव सिंह पुत्र स्वर्गीय धीरेंद्र सिंह, निवासी तिलवारी गांव, थाना खुटहन के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, मृतक के साथ मौजूद दोस्त के बयान और घटना के बाद की परिस्थितियों को लेकर परिजनों ने सवाल खड़े किए हैं। नीरव सिंह बुधवार शाम अपने दोस्त नीरज यादव निवासी मछली गांव, थाना बदलापुर को उसके घर से लेकर एक सगाई समारोह में शामिल होने बदलापुर कस्बे गया था। दोनों एक ही बाइक से समारोह में पहुंचे थे। बताया जाता है कि रात करीब 10रू30 बजे लौटते समय शाहगंज–बदलापुर मार्ग पर एक गुमटी के पास सामान खरीदने के लिए रुके।

तीन नकाबपोश बदमाशों ने किया हमला

नीरज के मुताबिक, दोनों बाइक पर बैठने जा रहे थे, तभी पीछे से एक बाइक पर सवार होकर तीन नकाबपोश बदमाश पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों ने नीरव पर ईंट और तमंचे के बट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बीच–बचाव करने पहुंचे नीरज के साथ भी मारपीट की गई। हमले में दोनों घायल हो गए। नीरज का दावा है कि मारपीट के दौरान वह बेहोश हो गया था। उसके अनुसार, होश आने पर उसने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस की मदद से नीरव को बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। नीरज के बयान के मुताबिक, वहां चिकित्सकों ने घबराने की बात नहीं बताई। इसके बाद वह नीरव को गुमटी के पास छोड़कर अपने घर चला गया।

दोस्त के बयान और भूमिका पर परिजनों ने उठाए सवाल

नीरव की मौत के बाद परिजनों ने उसके दोस्त नीरज के बयान और घटना के बाद की परिस्थितियों पर सवाल उठाए हैं। परिजनों का कहना है कि यदि नीरव गंभीर रूप से घायल था तो इसकी सूचना तत्काल परिवार को क्यों नहीं दी गई? उसे जिला अस्पताल जौनपुर क्यों नहीं ले जाया गया? सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उसके उपचार और घटना के दौरान हुई गतिविधियों की भी जांच होनी चाहिए। परिजनों ने नीरज की भूमिका पर संदेह जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। हालांकि, दोस्त पर जताए गए संदेह की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, घटना की वास्तविक परिस्थितियों और हमले में शामिल लोगों की पहचान जांच के बाद स्पष्ट होगी। इस संबंध में गुरुवार को बदलापुर थाना प्रभारी फूलचंद पांडे ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस छानबीन कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में तहरीर प्राप्त हुई है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बदलाव की 40 साल की कहानी- स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन ने मनाए 40 साल, शिक्षा, रचनात्मकता और बदलाव का जश्न

बयूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन के 40 साल पूरे होने के अवसर पर स्टडी हॉल परिसर में श्टेपेस्ट्री ऑफ ट्रांसफॉर्मेशनश नाम से एक खास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में फाउंडेशन के स्कूलों और विभिन्न कार्यक्रमों के काम, उपलब्धियों और बदलाव की कहानियों को दिखाया गया। 4 नवंबर को आयोजित इस प्रदर्शनी में भारत और विदेश से आए मेहमानों के साथ छात्र–छात्राएं, शिक्षक, अभिभावक और पूर्व विद्यार्थी शामिल हुए। प्रदर्शनी के जरिए लोगों को पिछले 40 सालों में भ्भ् के शिक्षा के क्षेत्र में किए गए काम को करीब से देखने और समझने का मौका मिला। फाउंडेशन के हर स्कूल और कार्यक्रम ने अपने काम को अलग–अलग तरीकों से पेश किया। कहीं बच्चों के प्रोजेक्ट्स और मॉडल थे, तो कहीं पढ़ाने के नए तरीके, इंटरैक्टिव गतिविधियां और बच्चों के अनुभव। इन सभी के जरिए यह दिखाया गया कि शिक्षा सिर्फ किताबों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को सोचने, सवाल करने, अपनी बात रखने और अपने आसपास की दुनिया को समझने का मौका भी देती है। प्रदर्शनी में स्टडी हॉल स्कूल, प्रेरणा गर्ल्स स्कूल, विद्यास्थली और फाउंडेशन के दूसरे कार्यक्रमों के काम को दिखाया गया। इसमें लड़कियों की शिक्षा, समुदाय के साथ मिलकर काम करने, शिक्षकों को प्रशिक्षण देने और वंचित समुदायों के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की कोशिशों को भी जगह दी गई। इस प्रदर्शनी की एक खास बात यह रही कि बच्चों और शिक्षकों ने खुद अपने काम को मेहमानों के सामने प्रस्तुत किया। बच्चों ने अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया, उनके पीछे की सोच समझाई और अपने सीखने के अनुभव साझा किए। इससे यह भी देखने को मिला कि जब बच्चों को अपनी बात रखने और खुद सीखने के मौके मिलते हैं, तो वे कितने आत्मविश्वास के साथ अपनी बात कह सकते हैं। इस अवसर पर फाउंडेशन की एक और खास पहल, श्टीचर ऑफ द ईयरश प्रतियोगिता के विजेता शिक्षकों के वीडियो भी प्रदर्शित किए गए। इन वीडियो के माध्यम से शिक्षकों के समर्पण, उनकी मेहनत और कक्षा में किए जा रहे नए प्रयोगों को सामने लाया गया। यह उन शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने का एक प्रयास था, जो अपने काम से बच्चों के सीखने के अनुभव को बेहतर बना रहे हैं। यह प्रदर्शनी पुराने और नए साथियों को एक साथ आने का मौका भी बनी। लोगों ने फाउंडेशन की पुरानी उपलब्धियों को याद किया, नई पहलों के बारे में जाना और पिछले चार दशकों में आए बदलावों को देखा। इन सभी प्रयासों के पीछे शिक्षा में समानता, सामाजिक न्याय और हर बच्चे के बेहतर भविष्य का विचार हमेशा से जुड़ा रहा है। 1986 में डॉ. उर्वशी साहनी ने सिर्फ छह बच्चों के साथ स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन की शुरुआत की थी। आज, चार दशक बाद, यह संस्था 50 लाख से अधिक बच्चों तक पहुंच चुकी है और एक लाख से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुकी है। टेपेस्ट्री ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन सिर्फ उपलब्धियों को दिखाने वाली प्रदर्शनी नहीं थी, बल्कि उन बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदायों की कहानियों का उत्सव थी, जिन्होंने इस सफर को खास बनाया है। यह इस बात का भी संदेश था कि शिक्षा तभी सार्थक है, जब बच्चे सवाल कर सकें, अपनी सोच विकसित कर सकें, रचनात्मक बनें और अपने आसपास की दुनिया में बदलाव लाने की ताकत हासिल करें।



स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन के बारे में

स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन की स्थापना 1986 में डॉ. उर्वशी साहनी ने लखनऊ में की थी। यह एक गैर–लाभकारी संस्था है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए काम करती है। अपने स्कूलों, सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रमों और शिक्षक प्रशिक्षण पहलों के माध्यम से संस्था अब तक 50 लाख से अधिक बच्चों और एक लाख से अधिक शिक्षकों तक पहुंच चुकी है।

जौनपुर में बच्चों से भरी स्कूल बस डिवाइडर से टकराई, 22 बच्चों समेत 40 घायल

डीएम ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल, एक गंभीर छात्रा वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बक्शा थाना क्षेत्र के अलीगंज बाजार के पास बुधवार रात बच्चों से भरी एक स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बस सवार 36 बच्चों समेत 40 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। प्रतापगढ़ के जहानाबाद से संबंधित स्कूल बस बच्चों को लेकर जा रही थी। हादसे की सूचना पर 108 सेवा के ईएमई मनीष सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और सर्किल की सभी उपलब्ध एंबुलेंस को मौके पर बुलाया। एंबुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान ईएमटी जयप्रकाश ने एंबुलेंस में ही घायलों को प्राथमिक उपचार दिया, जबकि पायलट मोहम्मद शाहिद ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया। उन्होंने चिकित्सकों को सभी घायलों का बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि हादसे में कुल 22 बच्चे घायल हुए हैं, जिनमें एक छात्रा सौम्या पांडेय की हालत गंभीर होने पर उसे वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। शेष बच्चों की स्थिति सामान्य है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस बच्चों के डिनर के लिए रुकी थी। आशंका है कि चालक ने शराब का सेवन किया था। हादसे के बाद से चालक मौके से फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी की मृत्यु नहीं हुई है। सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दो शिक्षक बने ओएसडी

डॉ. प्रशांत को ओएसडी–तकनीकी और डॉ. दिव्येंदु को प्रशासन की जिम्मेदारी

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर दो सहायक आचार्यों को विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, इंजीनियरिंग संस्थान के कम्प्यूटर साइंस विभाग के शिक्षक डॉ. प्रशांत कुमार यादव को ओएसडी–टेक (विशेष कार्याधिकारी, तकनीकी) तथा डॉ. दिव्येंदु मिश्रा को ओएसडी–एडमिन (विशेष कार्याधिकारी, प्रशासन) नियुक्त किया गया है। आदेश के तहत ओएसडी–टेक डॉ. प्रशांत परिसर नेटवर्क, ई–ऑफिस और डिजिटल कार्यप्रवाह सहित अनुमोदित सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी पहलों के क्रियान्वयन में समन्वय एवं अनुश्रवण करेंगे। वहीं, ओएसडी–एडमिन डॉ. दिव्येंदु मिश्रा कार्यालयी कार्यों, बैठकों, पत्रावलियों एवं पत्राचार का समन्वय करेंगे। साथ ही प्रशासनिक निर्णयों पर की गई कार्रवाई का अनुश्रवण भी उनकी जिम्मेदारी होगी। कार्यालय आदेश में स्पष्ट किया गया है कि दोनों विशेष कार्याधिकारी कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के सीधे पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे। इसके अतिरिक्त कुलपति की ओर से सौंपे गए अन्य दायित्वों का भी निर्वहन करेंगे।



त्योहारों को लेकर डीआईजी ने शहर में किया फ्लैग मार्च, व्यापारियों से जाना सुरक्षा का हाल



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में आगामी दीपावली, धनतेरस और छठ पूजा के मद्देनजर कानून–व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से बुधवार को डीआईजी वैभव कृष्ण ने भारी पुलिस बल के साथ शहर में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी सुने। फ्लैग मार्च सद्भावना पुल से शुरू होकर चहारसू चौराहा, हनुमान घाट की गलियों और शहर के प्रमुख बाजारों से होकर गुजरा। इस दौरान स्वर्णकार व्यापारियों समेत अन्य दुकानदारों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी जानकारी ली गई। पत्रकारों से बातचीत में डीआईजी वैभव कृष्ण ने कहा कि आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने, आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने और आमजन में सुरक्षा का विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च किया गया है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा कानून–व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। फ्लैग मार्च में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह, एसपी सिटी अनंत चंद्रशेखर, सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता, सीओ सिटी सम्यक चौधरी सहित विभिन्न थानों के प्रभारी और चौकी प्रभारी शामिल रहे। मार्च में भारी संख्या में पुलिसकर्मियों, पीएसी जवानों और महिला आरक्षियों की मौजूदगी से शहर में सुरक्षा का संदेश दिया गया।

गाजे–बाजे के साथ निकली सरदार पटेल संदेश यात्रा, उमड़े लोग, दिया एकजुटता का संदेश

गोरखपुर, (संवाददाता)। मंगलवार को लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य में उनके विचारों को जन–जन तक पहुंचाने और समाज में एकजुटता का संदेश देने के उद्देश्य से सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल के नेतृत्व में सरदार पटेल संदेश यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ जीआईसी ग्राउंड से हुआ, जहां महादेवा विधायक दूधराम, मनोज चौधरी ने हरी झण्डी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।संदेश यात्रा गांधीनगर होते हुए कम्पनी बाग पहुंची। इसके बाद सुभाष चन्द्र बोस चौक और न्याय मार्ग से होते हुए सरदार पटेल स्मारक स्थल अमहट घाट पहुंची। यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही उनके विचारों और आदर्शों को साझा करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। यात्रा में ढोल–नगाड़े, घोड़े और रथ सहित विभिन्न आकर्षक प्रस्तुतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।इस अवसर पर विधायक दूधराम, रुधौली विधानसभा के समाजसेवी मनोज चौधरी और आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल संदेश यात्रा एकजुटता का संदेश देती है। जिस तरह सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया था, उसी तरह हम सभी को आपसी भाईचारे और एकता के साथ उनके विचारों को आगे बढ़ाना चाहिए। एकजुट रहकर ही समाज और देश का विकास संभव है यात्रा के नेतृत्वकर्ता सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने कहा कि पिछले कई वर्षों की तरह इस वर्ष भी सरदार पटेल संदेश यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सर्व समाज के लोगों की भागीदारी ने यात्रा को भव्य और सफल बनाया। उन्होंने कहा कि हमें सरदार पटेल के विचारों से प्रेरणा लेते हुए एकजुटता के साथ समाज के विकास के लिए कार्य करना चाहिए।सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, संदीप निषाद, अजफरूल हक उर्फ 'प्रिंस', प्रदीप यादव, चंद्रगुप्त मौर्य और दिनेश गौतम ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों को जन–जन तक पहुंचाना और समाज के लोगों को एकजुट करना हम सभी की जिम्मेदारी है।इस दौरान विनय चौधरी, डा. राजेश पटेल, शैलेंद्र राना, आकाश पटेल, राजेश मिश्र, नवीन सिंह, अभिषेक चौधरी भुवर, अनिरुद्ध चौधरी, सर्वेश चौधरी, अमन राजभर, जुगल किशोर चौधरी, सुरेंद्र चौधरी राजा भैया, मुनव्वर राणा, चंद्रगुप्त मौर्य, दिनेश गौतम, रविंद्र चौधरी, अनिल चौधरी, सोहन गौतम, राजविन्द कुमार गौतम, राजा भैया, दूधनाथ पटेल, शमशेर, प्रशांत चौधरी, संदीप निषाद, अभिषेक चौधरी, शिवा गिरी, पवन सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

मीरनघाट चौकी प्रभारी किरन पाल ने महिलाओ को किया जागरुक

अयोध्या। मिशन शक्ति फेज – 6.0 के तहत गुरुवार को एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी के निर्देश पर थाना कैंट क्षेत्र मे मीरनघाट चौकी प्रभारी किरन पाल कैंट थाना क्षेत्र के गुप्तार घाट पर मिशन शक्ति फेज – 6.0 के तहत देखा तो कहा टी महिलाओं तथा वहां पर आने वाले पर्यटकों को जागरूक किया इस मौके पर उन्होंने पोस्टर पंपलेट बैनर के माध्यम से आए हुए महिलाओं तथा पर्यटकों से कहा कि केंद्र व राज्य सरकार महिलाओं व बेटियों के लिए एक से बढ़कर एक योजनाएं चल रही है जिसका लाभ हम सभी को लेना चाहिए उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कमजोर नहीं है इसलिए हम सबको समझ में बढ़–कर कर हिस्सा लेना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार



द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।इस अभियान के तहत विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही महिला अपराधों की जानकारी देकर किसी भी प्रकार की उत्पीड़न अथवा परेशानी होने पर चुप न रहने और तत्काल पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को विमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की जानकारी देते हुए इनका जरूरत पड़ने पर उपयोग करने की अपील की।

दीपोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने भी चिकित्सा व्यवस्था के किए व्यापक इंतजाम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या में दीपोत्सव के दौरान लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक चिकित्सा व्यवस्था की है।दीपोत्सव के दौरान 12 प्रमुख स्थानों पर एंबुलेंस तैनात रहेंगी, ताकि आपात स्थिति में तत्काल सहायता मिल सके।लक्ष्मण किला, भजन संध्या स्थल, चौधरी चरण सिंह घाट, नागेश्वरनाथ और लता मंगेशकर चौक पर एंबुलेंस उपलब्ध रहेंगी।इसके अलावा कारसेवकपुरम, हनुमानगढ़ी, हनुमान गुफा, साकेत पेट्रोल पंप, श्रीराम जन्मभूमि परिकोटा और कनक भवन में भी एंबुलेंस तैनात होंगी।आपातकालीन उपचार के लिए अयोध्या के 12 निजी अस्पतालों में पांच–पांच बेड आरक्षित किए गए हैं।इनमें अग्रिम हॉस्पिटल, झुनझुनवाला, निर्मला, दिव्य, सोना, जगत, मेडिसिटी, चिरंजीव, गोमती और संजाफी सहित 12 अस्पताल शामिल हैं।राम की पैड़ी सहित प्रमुख आयोजन स्थलों पर मोबाइल चिकित्सा टीमें तैनात रहेंगी, जो श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराएंगी।मोबाइल चिकित्सा टीमों के लिए दिन और रात के अलग–अलग समय में ड्यूटी निर्धारित की गई है, ताकि लगातार चिकित्सा सहायता मिल सके।स्वास्थ्य विभाग ने मेला कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर 8881004894 जारी किया है। मेला अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. राममणि शुक्ला के नंबर 9451085935 पर भी संपर्क किया जा सकता है। इस संबंध में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है।किसी भी आपात स्थिति में तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पर्यावरणीय प्रतिबद्धताएं विकास में बाधा नहीं, बल्कि आर्थिक वृद्धि की उत्प्रेरक हैं – सी.पी. राधाकृष्णन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत रिन्यूएबल



एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए देश के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा का बदलाव देशभर में परिवारों, किसानों और समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उपराष्ट्रपति ने बताया कि भारत की गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित बिजली क्षमता 300 गीगावाट के पार पहुंच गई है। देश ने 2025 में अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल कर लिया, जो निर्धारित लक्ष्य से पांच साल पहले की उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत की सौर ऊर्जा क्षमता 3 गीगावाट से भी कम से बढ़कर 170 गीगावाट से अधिक हो गई है। पहले सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन कोयला आधारित बिजली की तुलना में कई गुना महंगा था, लेकिन अब यह देश में बिजली के सबसे सस्ते स्रोतों में शामिल है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय प्रभावी नीतियों, निजी क्षेत्र और राज्यों तथा नागरिकों के सामूहिक प्रयासों को दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत में हाइड्रोजन ऊर्जा के क्षेत्र में भी उत्साहजनक प्रगति हो रही है।

निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद का फूल मालाओं के साथ स्वागत

गोरखपुर, (संवाददाता)। मंगलवार को निषाद पार्टी द्वारा धर्मराज निषाद को जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। जिलाध्यक्ष बनने के बाद जिले के विभिन्न स्थानों पर उनका फूल–मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन करते हुए नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त किया। निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद का कुड़ी चौराहा, रघुनाथपुर, बखिरा मोड़, रुधौली बाजार, मानिकचंद, बड़े बन, पानी टंकी चौराहा और शास्त्री चौक सहित विभिन्न स्थानों पर जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद जिला पंचायत सभागार में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जहां पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल–मालाओं से लादकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे निषाद पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष दिवाकर निषाद ने कहा कि धर्मराज निषाद को जिलाध्यक्ष की जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी



के साथ इसका निर्वहन करेंगे। उनके नेतृत्व में जिले में पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी और पार्टी का जनाधार बढ़ेगा। कहा कि जनहित के मुद्दे को प्राथमिकता देने के साथ ही समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति तक उपलब्धियां पहुंचें इसके लिये जमीनी धरातल पर प्रयास तेज करना होगा। जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताकर जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे। उनका लक्ष्य जिले में पार्टी संगठन को मजबूत करना और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी बेहतर प्रदर्शन करे।

आगामी पर्व को लेकर आरपीएफ व जीआरपी ने कैंट रेलवे स्टेशन पर चलाया संयुक्त सघन चेकिंग अभियान

अयोध्या।दीपोत्सव, दीपावली और छठ पूजा सहित आगामी त्योहारों के मद्देनजर रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ व जीआरपी ने संयुक्त सघन चेकिंग अभियान चलाया।इस दौरान आरपीएफ निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन हरीश शाही के निर्देश पर आरपीएफ



सहायक उप निरीक्षक रमेश यादव ने पुलिस कर्मियों के साथ स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्मों, प्रतीक्षालयों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया।वही जीआरपी थानाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा के नेतृत्व मे भी जीआरपी के उप निरीक्षक अजय वर्मा व सुरक्षा कर्मियों ने रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्मों, प्रतीक्षालयों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया।सुरक्षा कर्मियों ने चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों के अंदर भी पहुंचकर यात्रियों से पूछताछ की गई।वहीं, संदिग्ध परिस्थितियों में दिखाई देने वाले व्यक्तियों से भी गहन पूछताछ कर संतोषजनक जवाब मिलने के बाद उन्हें जाने दिया गया।इस संबंध में आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक हरीश शाही व एसओ जीआरपी अभिषेक मिश्रा ने संयुक्त रुप से बताया कि धनतेरस, दीपोत्सव, छोटी दीपावली, बड़ी दीपावली,यम द्वितीया, भैया दूज और छठ पूजा के चलते रेल यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है।यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।बताया कि यात्रियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित रहे,इसके लिए आगे भी लगातार चेकिंग अभियान जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की हुई बैठक

बांदा, (संवाददाता)। डीएम पुलकित गर्ग एवं सीडीओ डीपी पाल के निर्देशानुसार जनपद को बाल विवाह मुक्त बनाने के निर्देश के तहत जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता की देखरेख में चिन्हित ग्राम पंचायत इटौरा पहाडी में ग्राम प्रशासक माया देवी की अध्यक्षता में ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन पंचायत भवन किया गया। ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति इटौरा की बैठक खण्ड विकास अधिकारी पहाड़ी संजय कुमार पांडेय, सीडीपीओ महेंद्र पटेल, एबीएसए राजेश कुमार, सहायक विकास अधिकारी भूपेंद्र द्विवेदी, पंचायत सचिव अलख खन्ना, आंगनवाड़ी गीता, कल्पना, डीएमसी प्रिया माथुर, चाइल्ड लाइन समन्वयक विशेष त्रिपाठी, वन स्टाप सेन्टर मैनेजर अपर्णा श्रीवास्तव, रेखारानी चाइल्ड राइट्स एसोसिएट आदि ने बाल संरक्षण के सशक्त संरक्षणात्मक परिवेश का निर्माण, उचित पालन पोषण, परिवार की देखरेख पाने, प्रतिष्ठा के साथ रहने, बच्चों को हिंसा व दुर्व्यवहार से बचाने की अपील की गई। ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति सदस्य प्रधान अध्यापक सुरेन्द्र सिंह द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि कि बालिका सुधा कक्षा आठ, विनीता कक्षा सात, रिंकी कक्षा आठ द्वारा बालीबाल स्पर्धा में राज्य स्तर पर खेल कर वापस आई हैं और राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हैं। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा सभी बच्चों को पुरस्त किया गया। सभी अधिकारियो ने अभिभावकों का बाल विवाह न करने, बाल श्रम न कराने के लिए निर्देशित किया। इसका उलंघन करने पर सजा के प्राविधान की जानकारी दी गई। यह जानकारी बाल संरक्षण अधिकारी सौरभ सिंह ने दी है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने छापेमारी कर संग्रहीत किए सैम्पल

बांदा, (संवाददाता)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त एवं डीएम के आदेश के अनुपालन में सहायक आयुक्त खाद्य शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर दीपावली पर्व विशेष अभियान अन्तर्गत जनपद में खाद्य सुरक्षा विगाग की टीम द्वारा कुल चार नमूने जाँच के लिए संग्रहित किये गये तथा दो किग्ना दूषित जलेबी एवं एक किग्रा मिठाई अस्वास्थ्यकर अवस्था में पाये जाने पर मौके पर ही नष्ट कराया गया। खोवा मण्डी कर्वी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा छापामार कर खाद्य कारोबारकर्ता धर्मराज पुत्र बाबूलाल से खाद्य पदार्थ खोवा का नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य प्रतिष्ठान के खाद्य कारोबारकर्ता पदुम नारायण उर्फ बब्लू जायसवाल से खोवा का नमूना, शंकर बाजार कर्वी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान जय माता दी स्वीट हाउस एण्ड पेस्ट्री केक के खाद्य कारोबारकर्ता निखिल कुमार अग्रहरि से खाद्य पदार्थ बेसन का लड्डू का नमूना संग्रहित किया गया तथा दो किग्रा दूषित जलेबी एव एक किग्रा मिठाई अस्वास्थ्यकर अवस्था में पाये जाने पर मौके पर ही नष्ट कराया गया। खाद्य पदार्थ को ढककर बेचने के निर्देश दिए। पहाड़ी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान विजय स्वीट हाउस के प्रोपराइटर विजय कुमार पुत्र लखपत सिंह के प्रतिष्ठान पर छापामार कर खाद्य पदार्थ पेडा का नमूना संग्रहित किया गया। समस्त खाद्य नमूनों को जाँच के लिए खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। प्रयोगशाला द्वारा जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

अवैध खनन रोकने गई राजस्व टीम पर हमला

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। नगर कोतवाली क्षेत्र के इमिलिया कला गांव में अवैध खनन की सूचना पर पहुंची राजस्व टीम पर मनबढ़ खनन माफिया द्वारा साथियों के साथ बंधक बनाकर हमला कर दिया। जिसमे दो लेखपाल सहित नायब तहसीलदार घायल हो गए। गम्भीर हालत में इलाज के लिए लेखपालों सहित नायब को जिला मेडिकल कालेज लाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने खनन अधिकारी की तहरीर पर अवैध खनन का मुकदमा व लेखपाल की तहरीर पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गोड़वा चौकी क्षेत्र के अमिलिया कला गांव से जुड़ा है। जहां से सोमवार की रात करीब साढ़े 11 बजे एसडीएम सदर गरिमा सौनकिया के सीयूजी नंबर पर अवैध खनन होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर तत्काल एसडीएम द्वारा टीम गठित करते हुए नायब तहसीलदार धर्मेंद्र यादव के नेतृत्व में राजस्व टीम को मौके पर भेजा। मौके पर टीम के पहुंचने पर जेसीबी डंपर फरार हो गए। राजस्व टीम जांच पड़ताल में जुटी थी तभी चार पहिया वाहन से पहुंचे खनन माफिया द्वारा अपने साथियों के साथ राजस्व टीम पर हमला कर दिया गया। हमले में नायब तहसीलदार धर्मेंद्र यादव, लेखपाल कुंवर बृजेश सिंह व सुमित वर्मा घायल हो गए। राजस्व टीम से मारपीट की सूचना पर प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। सूचना पर एडीएम प्रशासन रत्नप्रिया, एएसपी वृज नारायण सिंह, एसडीएम गरिमा सौनकिया, सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह सहित कई थाने की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। घायल अवस्था में नायब तहसीलदार व लेखपालों को इलाज के जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। रात में खनन अधिकारी शिव दयाल सिंह की तहरीर पर अवैध खनन का मुकदमा व लेखपाल सुमित वर्मा की तहरीर पर मारपीट का मुकदमा नगर कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया है। सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि दो नामजद सहित अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें कही है जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पूर्व में कार्यवाही के विरोध में हुआ हमला

बीते 11 अक्टूबर को तहसील दार सदर अभिनव सिंह के नेतृत्व में गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के महमूदपुर गांव में एक जेसीबी व डंपर पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया था। उसी रात नगर कोतवाली क्षेत्र के गोढ़वा में अवैध खनन में लगे दो डंपर को राजस्व टीम ने पकड़ने का प्रयास किया था लेकिन एक डंपर चालक खनन माफिया लेकर फरार हो गया था। दूसरा डंपर राजस्व टीम ने हिरासत में लिया था। टीम में नायब तहसीलदार धर्मेंद्र यादव व प्रभात पांडेय के साथ राजस्व कर्मी शामिल थे, इसी कार्यवाही की रंजिश में खनन माफिया द्वारा राजस्व टीम पर हमला किया गया।

नरसिंह वध और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। क्षेत्र के ग्राम व पोस्ट–सोहगौली में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास राष्ट्रीय संत देवाचार्य देवमूर्ति जी महाराज, पत्थर मंदिर, वासुदेव घाट–अयोध्या ने श्रद्धालुओं को भगवान के विभिन्न अवतारों की कथा सुनाई। कथा के दौरान भगवान वामन अवतार, भगवान नरसिंह द्वारा हिरण्यकश्यप के वध तथा भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव तक की कथा का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा व्यास ने भगवान वामन अवतार की महिमा बताते हुए कहा कि भगवान ने वामन रूप धारण



कर राजा बलि की परीक्षा ली और अपनी लीला से यह संदेश दिया कि भगवान अपने भक्तों तथा धर्म की रक्षा के लिए समय–समय पर अवतार लेते हैं। इसके बाद भगवान नरसिंह अवतार की कथा सुनाते हुए भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति और हिरण्यकश्यप के अहंकार का प्रसंग सुनाया गया। भगवान नरसिंह द्वारा हिरण्यकश्यप के वध का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के क्रम में जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आया, कथा पंडाल 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान श्रीकृष्ण का स्वागत किया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर भक्तों ने भजन–कीर्तन में उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। कथा व्यास देवाचार्य देवमूर्ति जी महाराज ने श्रद्धालुओं से भगवान की कथाओं को केवल सुनने तक सीमित न रखते हुए।

दीपावली मेले में 25 से 30 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना

बांदा, (संवाददाता)। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि जिले में आयोजित होने वाला कार्तिक मास अमावस्या दीपावली मेला बुन्देलखण्ड का सबसे बड़ा मेला है। इस वर्ष मेले में लगभग 25 से 30 लाख श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। यह मेला धार्मिक आस्था के साथ–साथ सांस्तिक .ष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेले को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके .ष्टिगत जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पिछले एक माह से व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। मेले में श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए यातायात व्यवस्था के .ष्टिगत छह नवम्बर धनतेरस से 11 नवम्बर की रात्रि तक नो एंट्री एवं रूट डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी। मेले की सुरक्षा व्यवस्था के .ष्टिगत पूरे मेला क्षेत्र को आठ जोन एवं 22 सेक्टरों में विभाजित कर पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था हेतु सिविल पुलिस, पीएसी, जल पुलिस, एलआईयू, बीडीडीएस टीम सहित विभिन्न इकाइयों के लगभग दो हजार जवानों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त ड्रोन कैमरों के माध्यम से मेला क्षेत्र की सतत निगरानी की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए सादे वस्त्रों में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है, ताकि असामाजिक तत्वों पर सतर्क .ष्टि रखी जा सके तथा विशेषकर महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। श्रद्धालुओं के आगमन एवं आवागमन को ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र के विभिन्न मार्गों एवं प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जिससे वाहनों का व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित हो सके तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दसवें दीपोत्सव की सुरक्षा को लेकर रामकथा पार्क में वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के बीच बैठक सम्पन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या में दसवें दीपोत्सव की सुरक्षा को लेकर राम कथा पार्क में वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के बीच बैठक संपन्न हुई।बैठक में प्रदेश शासन से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारियों पुलिसकर्मियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। सुरक्षा के मद्देनजर अयोध्या को 20 जोन और 53 सेक्टर में बांटा गया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 20 एसपी और 45 सीओ स्तर के पुलिस अधिकारियों की तैनाती रहेगी।वही दीपोत्सव को लेकर सुरक्षा मजबूत करने के लिए एनएसजी कमांडो एसटीएफ एटीएस और एसडीआरएफ की एक–एक टीम मुस्तैद रहेगी।जांच और निगरानी के लिए 3 बम निरोधक दस्ते, 3 डॉग स्क्वायड और एसएस चेक टीम के 9 दस्ते लगाए गए हैं। पुलिस बल में 120 निरीक्षक, 450 उपनिरीक्षक, 1750 पुरुष और 400 महिला कांस्टेबल व हेड कांस्टेबल तैनात रहेंगी। कार्तिक पूर्णिमा मेला पूरे महीने चलने के चलते सुरक्षा व्यवस्था लगातार जारी रहेगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।